Date : 16-Jan-2009 Edition : National Page No.: 32 Page Name: n.a. Size: 443.98 sq. cm

Sector: Others Circulation: 311658 AVE: Rs.74144.12 Frequency: Monthly

Publication: Griha Shobha Title: Love with aged it's not good

गृहशोभा

सुखद नहीं प्रौढ से प्यार

प्रौढ से प्रेम गलत नहीं पर इस प्यार का भविष्य संदेह में ही रहेगा. क्या कुछ वर्ष बाद प्रेमी के बुढ़ापे से ग्रस्त शरीर को भी प्रेमिका उतना ही पसंद कर पाएगी?

'निशब्द' फिल्म में जब एक युवती के प्रौढ से प्रेम को प्रदर्शित किया गया तो लोगों ने काफी होहल्ला मचाया. कुछ लोगों ने अमिताभ पर गलत फिल्में करने का इलजाम भी लगाया. फिल्म 'दिल चाहता है' में भी अक्षय खन्ना अपनी मां की उम्र की डिंपल की ओर आकर्षित हो जाते हैं.

सिर्फ फिल्मों में ही नहीं, बड़ी उम्र के पुरुष/स्त्री की ओर वास्तविक जीवन में भी युवाओं का रुझान अब काफी देखने को मिल रहा है. कुछ अरसा पहले एक युवती ने टीवी पर सरेआम अपने से ज्यादा उम्र के प्रोफेसर से प्यार को कुबूल किया.

परिपक्वता का प्रभाव

अपोलो अस्पताल के वरिष्ठ मनोचिकित्सक डा. संदीप वोहरा के अनुसार, "अपने से ज्यादा उम्र के व्यक्ति की ओर युवतियां अकसर इसलिए झुक जाती हैं, क्योंकि उन की मैच्योरिटी उन्हें काफी प्रभावित करती है. धीरगंभीर युवतियां, जो आज के दिखावा भरे युग को पसंद नहीं करतीं, उन्हें अपने हमउम्र लड़कों में प्रभावित करने लायक कोई बात दिखाई नहीं देती. उधर प्रौढ को भी अपनी युवा प्रेमिका से बहुत ज्यादा उम्मीदें नहीं होतीं. वह उस के किसी हमउम्र बौयफ्रेंड की तरह उस से बारबार मिलने या घूमने की जिद भी नहीं करता. उसे उस युवती का जितना साथ मिल जाए, उसी में वह संतुष्ट रहता है."

वैसे इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता कि युवतियां अकसर अपने प्रौढ प्रेमी को स्वयं के अनुसार चलाती हैं और वह कठपुतली की तरह उन के पीछेपीछे चलता रहता है. 'निशब्द' जैसी ही पेरिजाद जोराबियन स्टारर फिल्म 'जौगर्स पार्क' में हीरोइन अपने से ज्यादा उम्र के व्यक्ति से प्रेम करती है. वह प्रौढ उस की इच्छानुसार ही चलता है, सजतासंवरता है व अन्य काम करता है.

डा. वोहरा के अनुसार, प्रौढ व्यक्तियों की एक अन्य बात, जिस से युवतियां प्रभावित होती हैं, वह है ढलती उम्र में भी उन की जबरदस्त पर्सनैलिटी व जिंदादिल व्यक्तित्व होना. उन के आकर्षक व्यक्तित्व की ओर वे अनायास ही खिंची चली जाती हैं.

प्यार का दौर

उस वक्त प्रौढ और वह युवती दोनों ही यह समझते हैं कि प्यार के लिए कोई सीमारेखा तय नहीं होती. उन्हें यही लगता है कि प्यार तो कभी भी, किसी से भी हो सकता है. इसी सोच के चलते मुलाकातों का सिलसिला शुरू होता है. युवती के प्यार में पड़ कर प्रौढ व्यक्ति का दिल अचानक जवान हो जाता है और वह अपनी प्रौढा पत्नी से उन्मुख होने लगता है. उस का ड्रेसअप, बोलचाल का तरीका भी बदलने लगता है, जिसे उस की प्रौढा पत्नी नोटिस तो करती है पर कुछ समझ नहीं पाती.

युवती को समाज की ज्यादा चिंता इसलिए नहीं होती, क्योंकि वह समझती है यह उस का जीवन है व इसे अपने तरीके से जीना उस का अधिकार है. वैसे भी स्वभाव से बिंदास युवतियां ही ऐसे प्यार में पड़ने का साहस रखती हैं पर दूसरी ओर प्रौढ का भरापूरा परिवार होता है. प्रेमिका की उम्र के उस के बच्चे होते हैं लेकिन प्यार के शुरुआती दिनों में वह इस बात को ज्यादा अहमियत नहीं देता और अपनी युवा प्रेमिका के साथ भरपूर एंज्वाय करना चाहता है.

सचाई से मुंह न मोड़ें

'निशब्द' तथा 'जौगर्स पार्क' में प्रौढ के परिवारजनों को पता चलने पर उसे परिवार की तीखी निगाहों व आलोचनाओं का सामना करना पड़ता है. तब उस के पास पछताने के अलावा कोई चारा नहीं रहता. वह उस घड़ी को कोसने लगता है, जब उक्त युवती से उस का परिचय

© Griha Shobha NA

Date : 16-Jan-2009 Edition : National Page No.: 33 Page Name: n.a. Size: 458.29 sq. cm

Sector: Others Circulation: 311658 AVE: Rs.76533.62 Frequency: Monthly

Publication: Griha Shobha Title: Love with aged it's not good

गृहशोभा

हुआ था. यानी सचाई सामने आते ही प्रेम का भूत भाग जाता है और वह उस युवती से मिलने से तोबा कर लेता है.

पर क्या इस में दोष सिर्फ प्रौढ़ का ही है? उस युवती का कोई दोष नहीं? यह सब जानतेसमझते हुए कि उस प्रौढ़ का अपना परिवार है, बीवीबच्चे हैं, उस से प्यार की पींगें बढ़ाना क्या सही है? सहीगलत का आकलन न भी करें तो युवती को कम से कम अपने भविष्य के बारे में तो सोचना ही चाहिए, क्योंकि यह तो तय है कि एक न एक दिन प्रौढ़ के परिवारजनों को इस सचाई का पता चल ही जाएगा, तब वह आप का साथ नहीं निभाएगा. उस वक्त उसे सिर्फ अपने परिवार का ध्यान होगा और समाज का डर. आप का प्यार उस के लिए पछतावे से ज्यादा कुछ नहीं होगा.

माता चन्नन देवी अस्पताल, जनकपुरी, दिल्ली के मनोचिकित्सक डा. एम.एन. लाल माथुर का मानना है कि इस प्रकार की रिलेशनशिप का भविष्य डार्क होता है. अकसर लड़कियां इस रिलेशनशिप को ले कर काफी भावुक हो जाती हैं और परिवारजनों के खिलाफ चली जाती हैं. उन्हें कोई समझाने का प्रयास करता है पर वे अपनी जिद पर अड़ी रहती हैं. उन्हें समझना होगा कि प्रौढ़ से प्यार को यदि वे गहराई से लेती हैं तो उन्हें अंत में दुख, अकेलेपन व कुंठा के सिवा कुछ मिलने वाला नहीं, क्योंकि अपने परिवार के रहते वह आप से शादी कर नहीं सकता. कानूनी तौर पर भी यह सही नहीं. ऐसे में आप को अपने भविष्य के बारे में अवश्य सोचना चाहिए.

परिवार की भूमिका

इस प्रकार के प्यार में युवती के परिवारजन अकसर उसे समाज की दुहाई देते हैं. उन्हें यह चिंता नहीं होती कि यह प्यार उन की बच्ची को कहां ले जाएगा, फिक्र होती है तो यह कि समाज क्या कहेगा. लेकिन वे अपनी बेटीबहन को सही गाइडेंस नहीं दे पाते.

डा. माथुर के अनुसार, "परिवारजनों को अपनी बेटी को इस प्यार के नेगेटिव और पोजिटिव दोनों पहलुओं से अवगत कराना चाहिए ताकि वह परिवारजनों को अपना दुश्मन न समझे. कुछ वर्षों बाद जब उस प्रौढ़ को अनेक बीमारियां घेर लेंगी या उस के परिवार को यह सब पता चलेगा तो क्या तब भी वह उस का साथ दे पाएगी या उसे उस प्रौढ़ का साथ मिल पाएगा? बड़ी सूझबूझ से उसे सभी तथ्यों से अवगत कराएं, तभी वह अपने भलेबुरे की पहचान कर पाएगी."

दोष युवती पर ही

भले ही इंटरनेट का यह युग हर व्यक्ति को जीवन अपने तरीके से जीने की इजाजत देता है. फिर भी यदि आप प्रौढ़ से प्यार करती हैं तो उस का परिवार इस कारण अवश्य प्रभावित होता है. ऐसे में पूरा दोष आप के जिम्मे ही आता है.

जब कोई प्रौढ़ किसी युवा लड़की से प्यार में पड़ेगा तो उस के साथ चलते अपनी प्रौढ़ा पत्नी की ओर देखेगा तक नहीं. वही पत्नी, जिस के साथ उस ने अपने जीवन के 20 से भी ज्यादा वसंत देखे, हर सुखदुख में उस का साथ निभाया, जो इस उम्र में भी उसे अच्छी लगती थी, अब एकाएक उस में कमियां नजर आने लगेंगी. वह उसे फूटी आंख नहीं सुहाएगी. ऐसे में क्या आप के कारण उस की पत्नी के साथ नाइंसाफी नहीं होगी?

सिर्फ पत्नी ही नहीं, उस के बच्चे भी यदि बहुत ज्यादा इमोशनल किस्म के हैं तो आप से प्यार की सचाई को जान कर वे बाप से नफरत तो करने ही लगते हैं, साथ ही शर्म के मारे आत्महत्या तक के बारे में भी सोच सकते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि उन के पिता ने कोई बहुत बड़ा गुनाह किया है. यह खयाल उन्हें हर पल परेशान करता है और उन के अंदर मानसिक विकार पैदा हो जाते हैं. ध्यान दें कि आप का वह प्रौढ़ प्रेमी भी अंत में दोष आप के सिर ही मढ़ेगा कि आप ने ही उस की भावनाओं को भड़काया. भले ही आप के समक्ष वह ऐसा न कहे, लेकिन मन में तो यही सोचेगा.

सेक्स लाइफ प्रभावित

अपोलो अस्पताल, दिल्ली के यूरोलोजिस्ट एवं एंड्रोलोजिस्ट डा. अजीत सक्सेना के मुताबिक, उम्र के साथसाथ पुरुषों में टेस्टास्टेरोन नामक हारमोन बनना कम हो जाता है, जिस से सेक्सुअल पावर कम हो जाती है और युवा लड़की प्रौढ़ से वह संतुष्टि प्राप्त नहीं कर पाती, जो उसे किसी युवा लड़के से मिल सकती है. वैसे भी युवती अपने प्रौढ़ प्रेमी को ज्यादा मैच्योर मान रही होती है और प्रौढ़ यह मानता है कि लड़की युवा है, इसलिए वह उसे ज्यादा संतुष्ट कर पाएगी परंतु उस युवती को सेक्स के बारे में वह जानकारी नहीं होती, जो प्रौढ़ को होती है. ऐसे में दोनों के विचार आपस में टकराते हैं, जिस के परिणामस्वरूप वे सफल सेक्स संबंध कायम नहीं कर पाते.

मैक्स अस्पताल, पीतमपुरा, दिल्ली के गुप्त एवं चर्मरोग विशेषज्ञ डा. विनय सिंह मानते हैं कि प्रौढ़ की उम्र बढ़ने से उसे कई प्रकार की बीमारियां जैसे ब्लडप्रेशर, डायबिटीज, हृदयरोग इत्यादि घेर लेती हैं, जिन से उस के अंदर सेक्सुअल क्षमता की कमी होने लगती है. हो सकता है उसे ये समस्याएं न हों, फिर भी वह आप को पूर्णरूप से संतुष्ट नहीं कर पाएगा. ऐसा संभव हो भी जाए तो कुछ समय गुजरने पर वह संतुष्टि मिल पाना संभव नहीं हो पाएगा, जिस कारण आप जल्द ही संबंधों से ऊब जाएंगी.

डा. ए.एस. आहलूवालिया, जो अपोलो अस्पताल के विजिटिंग फिजिशियन एवं एंड्रोलोजिस्ट हैं, के अनुसार, "सफल सेक्स संबंधों हेतु आपसी अंडरस्टैंडिंग होना बहुत जरूरी है परंतु एक युवती व प्रौढ़ के बीच कोई चीज कौमन नहीं होती, जिस के चलते वे आप से अंडरस्टैंडिंग नहीं बना पाते. वैसे भी इस उम्र में बहुत ही कम पुरुष एक युवा लड़की को संतुष्ट कर पाने में सफल हो पाते हैं. युवतियों को यह बात हमेशा ध्यान में रखनी चाहिए कि इस तरह के संबंध अस्थायी होते हैं, इसलिए इन्हें शारीरिक संबंधों तक न ले जाना ही बेहतर है. संबंधों के दौरान प्रौढ़ के मन में परफारमेंस की चिंता समाई रहती है, जिस की वजह से उसे अकसर स्ट्रेस हो जाता है. इस उम्र में स्ट्रेस उस के लिए घातक साबित हो सकता है."

—भाषणा बांसल गुप्ता ●

© Griha Shobha